भी परिवर्तन स्थायी ही हों। आज जो परिवर्तन उसके स्वरूप में भी परिवर्तन हो सकता है।

S.B. Chaudhary

के सिद्धान्त - TOPIC

28.04.21

सिद्धान्त निम्नलिखित हैं

SC-102

SEM-I

सम्पादित किया गया है। ऑगबर्न ने सभी प्रकार आधार तकनीकी क्षेत्र में होने वाले विकास को परिवर्तन तथा आविष्कारों के मध्य सम्बन्ध अनुसार, नवीन आविष्कारों का अर्थ है नवीन खोज। जब समाज इन आविष्कारों को अपनाने परिवर्तन आ जाता है।

अ

वि

रह

उन

बाध

सां

समाज

विशेष

परम्पर

जाता है

यह आवश्यक नहीं है कि सभी परिवर्तन स्थायी ही हों। आज जो परिवर्तन दिखाई दे रहा है, भविष्य में उसके स्वरूप में भी परिवर्तन हो सकता है।

सामाजिक परिवर्तन के सिद्धान्त

S.B. Chaudhary - TOPIC
28.04.21
SC-102
SEM-I

सामाजिक परिवर्तन के प्रमुख सिद्धान्त निम्नलिखित हैं

प्रावैधिक सिद्धान्त

यह सिद्धान्त **ऑगबर्न** द्वारा प्रतिपादित किया गया है। ऑगबर्न ने सभी प्रकार के सामाजिक परिवर्तन का आधार तकनीकी क्षेत्र में होने वाले विकास को बताया। उन्होंने सामाजिक परिवर्तन तथा आविष्कारों के मध्य सम्बन्ध स्थापित किया। ऑगबर्न के अनुसार, नवीन आविष्कारों का अर्थ है नवीन सांस्कृतिक गुणों व तत्त्वों की खोज। जब समाज इन आविष्कारों को अपनाने लगता है, तभी समाज में परिवर्तन आ जाता है।

सामाजिक परिवर्तन

नवीनता का

ऑगबर्न और निम
किसी भी प्रकार
रहते हैं। नवीन प
उनके लिए अहि
बाधक रहता है।

सांस्कृतिक

समाज के सभी
विशेष लगाव हो
परम्पराओं को
जाता है कि जो